राजघराओ #ep -1

चंबल

की राजनीति

"मुरैना चंबल सम्भाग से कुछ खास राजनीति कॉलम "

(लेखक -अवध उपाध्याय)

1 ''चम्बल का इतिहास''

अगर चंबल एरिया की बात करें तो भारत के लोगों के दिमाग में चंबल सिर्फ दोनों चीजों से प्रसिद्ध है पहले चंबल नदी और दूसरा चंबल खेड़ा चंबल के डाकू बेहद प्रसिद्ध है लोगों में काफी डर रहता है चलिए पहले हम आपको थोड़ा बहुत चंबल के बारे में बताते हैं

चंबल नदी मध्य भारत की एक प्रमुख नदी है जो यमुना नदी की सहायक है. यह नदी मध्य प्रदेश के महू, मध्य प्रदेश के पास जानापाव में निकलती है और राजस्थान और उत्तर प्रदेश से होकर बहती है.

चंबल क्षेत्र, विशेषकर मध्य प्रदेश के श्योपुर, मुरैना और भिंड जिलों में, अपने बीहड़ों और डकैतों के लिए जाना जाता है. ये बीहड़ कभी डकैतों और बागियों के लिए अभयारण्य रहे, जहां से वे डकैती, अपहरण और हत्याओं का कारोबार चलाते थे. आजादी की लड़ाई में भी चंबल के डाकुओं ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी.

चंबल के प्रमुख डाकूः

डाकू मान सिंहः

1935 से 1955 के बीच 1,112 डकैतियों की वारदातों को अंजाम दिया और 182 हत्याएं कीं.

मोहर सिंह गुर्जरः

1960 के दशक में चंबल घाटी के सबसे खूंखार डकैतों में से एक थे.

चलिए यह तो हो गया हमारी चंबल की नदी और डाकू के बारे में पढ़ लिया चंबल की राजनीति के बारे में चंबल संभाग की राजनीति मध्य प्रदेश की सबसे बड़ी राजनीति में से एक होती है विशेष रूप से मुरैना का नाम मध्य प्रदेश की राजनीति में आता ही है

2 "मुरैना से प्रमुख राजनेता"

मुरैना श्योपुर मध्य प्रदेश का 29 व लोकसभा कांस्टीट्यूएंसी है मुरैना में पांच विधानसभा क्षेत्र है

मुरैना की राजनीति का इतिहास काफी लंबा और जटिल है मुरैना की पहला सांसद "राधाचरण शर्मा" थे जो कांग्रेस पार्टी से आते हैं वह उसे समय की प्रमुख नाम बड़े राजनीतिक अभी थे अगर हम राजनीतिक संसाधन की बात कर ही रहे हैं तो सभी छविराम अर्गल ,अशोक अर्गल, नरेंद्र सिंह तोमर ,अनूप मिश्रा , शिवामंगल सिंह तोमर जी का नाम भी सामने आता है

और अगर मुरैना की राजनीति की बात करें सबसे प्रमुख नाम जो आता है वह नरेंद्र सिंह तोमर जी का की नरेंद्र सिंह तोमर जी इस मुरैना क्षेत्र में सबसे ज्यादा दमदारी और सबसे ज्यादा अहम भूमिका निभाते हैं और हाल ही में उनकी ही उन्हीं के आदमी से शिवमंगल सिंह तोमर सांसद नरेंद्र सिंह तोमर जी मुरैना से पूर्व सांसद है और केंद्रीय मंत्री भी है हाल ही में उनका विधानसभा में दीमनी से विधायक बने और मध्य प्रदेश लेजिसलेटिव असेंबली के स्पीकर है

नरेंद्र सिंह तोमर जो मध्य प्रदेश और खासकर मुरैना शिवपुर की राजनीति में प्रमुख नाम इसलिए आता है क्योंकि यहां पार्षद के चुनाव से लेकर विधानसभा और संसद के चुनाव तक उनका ही बोलबाला है सारे कार्यकर्ता उनके कहने पर काम पार्टी जिला मुरैना का जिला अध्यक्ष मंडल अध्यक्ष या अन्य पार्टी पदाधिकारी उन्हीं के कहने पर बनाए जाते हैं

हालांकि बहुत गलत बात है कि एक ही इंसान के कहने पर पुरा मुरैना से ऊपर चलता है यह बहुत गलत है युवा उनके पीछे पड़े रहते हैं आगे कार्यकर्ताओं की कोई सुनवाई भी नहीं है मुरैना सिर्फ इन्हीं की कहाँ पर चलाया जाता है इन्हीं के लोग काम करते हैं इन्हीं के लोग पैसा कमाते हैं गरीबों को नीचा दिखाया जाता है गरीब आगे नहीं बढ़ पाए

3 "राजनीतिक मानसिकता"

मित्रों एवं राजनीतिक मानसिकता के बारे में बात करते हैं तो सबसे पहला नाम आता है हमारे भविष्य का और युवा हमारे देश के सबसे बड़ा भविष्य है हमारे मुरैना में ऐसे युवा राजनीति नहीं चमचागिरी करते हैं हमारे मुरैना में ऐसी युवा राजनीति में आए हैं जिन्हें यह भी नहीं पता है व्हाट इस डेमोक्रेसी जब अनएजुकेटेड नेता या हमारा भविष्य खतरे में होगा तो हमें वही नेता वापस मिल जाएंगे जो अब हमारे पास अगर हमें पढ़ा लिखा यूथ पढ़ा लिखा राजनीतिक फीचर नहीं मिलेगा तो हमारा आगे का जो उसे होगा वह भी वैसे ही चले हमारे क्षेत्र में युवा सिर्फ नेताओं के पीछे-पीछे आगे पीछे घूमते हैं नारेबाजी करते हैं स्टेशन तक छोड़ने जाते हैं नाम की कोई सुनवाई होती है ना उनकी कुछ दिखा दे की करी जाती है ना उन्हें कोई अपॉर्चुनिटी मिलती है ना कोई उन्हें मौका मिलता है वह सिर्फ नारेबाजी के लिए ही होती है वह केवल चमचागिरी करते हैं चमचा बनाकर अपनी जिंदगी में रह जाती यहां के नेता केवल युद्ध को उसे करते हैं 14 14 15 साल के बच्चे राजनीति करते हैं आगे पीछे घूमते रहते हैं नारेबाजियां करते हैं शायद उन्हें पढ़ लिखना चाहिए हम एक नया फ्यूचर है

यहां के लोग अगर नेट चलाते हैं तो सिर्फ धर्म के नाम पर चुनते हैं कास्ट के नाम पर चुनते हैं मान लीजिए अगर कोई एससी एसटी वाला है अगर वह उनके यहां से चुनाव लड़ रहा है तो केवल एससी एसटी या लोवर कास्ट वाले लोग उसे वोट देंगे उसका सपोर्ट करें ना की कोई अच्छा नेता अगर आया है चुनाव लड़ने तो उसका विरोध किया जाता है क्योंकि वह अन्य जाति से होता है और जो लोग होते हैं ज्यादा संख्या में वह अन्य जात से होते हैं ऐसी मध्य मानसिकता पर राजनीति की जाती है और यह सबसे घणात्मक राजनीति होती है हमारे मध्य प्रदेश की शायद यह राजनीति जब तक अगर नहीं बदली तो हमारा आगे का फ्यूचर बर्बाद और सिर्फ बर्बाद ही होगा

यहां की जनता और नेता की मानसिकता एक ही है नाम विकास जनता होने देती है और ना नेता विकास करते हैं यहां जनता दो ₹5000 में बिक जाती है यहां के लोग जाति पर तो चुनाव और वोट देते ही है पर पैसों पर सबसे ज्यादा देती है या उसकी चमचागिरी करेगी कि हमारे आगे काम आएगा नेता बल्कि वह नेता नहीं किसी काम का होता है सबसे बड़ा भ्रष्टाचारी होता है सबसे बड़ा पुरुष पापी होता है सिर्फ और सिर्फ नेगेटिविटी फैलता है जनता कि यह मानसिकता है ना रोड बने ना हॉस्पिटल बने ना कुछ हो ना विकास हो बस हमें पैसे मिलते रहे हमारा पेट भरता रहे सिस्टम ऐसे ही चला रहे ऊपर से भी सिस्टम ऐसा है और नीचे से भी ना जुड़े बदली है और ना लोगों की सोच अगर ऐसी सोच रही तो जैसा युवाओं के साथ हो रहा है जैसा मुरैना की जनता के साथ हो रहा है वैसा ही आगे होता रहेगा नेता तो ही जाते हैं ना कि हमारा हमेशा अच्छा-अच्छा हो हम हमेशा पैसे कमाए 10000 करोड़ की डीलर करते हैं नेता नाम के खिलाफ कोई कार्रवाई होती है ना जनता की नागरियों की जनसंख्या की जाती है गरीब केवल एक कोने में जाकर कुर्ता रहता है और नेता इसी में बैठे वन में बैठी रहती हैं और हुकूमत करते हैं

मुरैना की शिक्षा के नाम पर सबसे बेकार स्कूल अब सरकारी स्कूल कभी जाइए तो देखी ना कि कितने बेकार सरकारी स्कूल बेकार स्थिति में बने हुए और सरकारी सरकारी प्राइवेट स्कूलों की भी हालत यहां सबसे बेकार गंदी है क्योंकि यहां का जो एनवायरमेंट है वह उन्हीं लोगों से गिरा हुआ है जो खुद गलत संगत को गलत प्रचार करते हैं यहां के बच्चे बिगड़ रहे हैं इसमें ड्रग्स जैसी चीज उपयुक्त में लेते हैं यहां की जनता तो जनता यहां के नेता तो नेता प्रशासन भी ऐसा ही है जैसा कोई मरा हुआ मत था ना यहां पर इसकी कोई कार्रवाई होती है ना पुलिस अगर आप जाएं अपना जनसुनवाई करते हैं उल्टा आप पर आरोप लगाए जाते हैं आपको परेशान किया जाता है नगर निगम के अधिकारी करोड़ों रुपए का जाते हैं भ्रष्टाचारियों से एक में बैठते हैं और भ्रष्टाचार फ्लेट हैं गरीब लोगों को लूटते हैं परेशान करते हैं उन्हें यहां की ट्रैफिक स्थिति अच्छी है अपना ट्रैफिक का हवलदार ऐसी स्थिति लेकर अगर मुरैना को चलाएंगे तो राजनीति तो राजनीति हर चीज एक पहले की तरह मिट्टी जाएगी यह प्रलय होना शुरू हो चुकी शायद पहले बहुत तबाही मचाएगी अगर हमने इसको ना रोका तो और अगर रोकता है यहां का एसपी कलेक्टर नेताओं से बिक जाते हैं जनता को परेशान और दुखी करते हैं यहां का कलेक्टर और यहां का एसपी सबसे बुरी दुर्गति से जीते हैं नाम की कोई इज्जत है पैसे खाकर ऐश करते हैं यहां के लोग दो ही चीज में सबसे आगे हैं एक तो उन एजुकेशन और दूसरी लड़ाई बधाई इन चीजों में हमारे जनता युवा हर चीज का आदमी आपको आगे मिलेगा अगर आप यहां की रोडो की और मोहल्ला गलियों की हसरत देखें तो आपको पता चलेगा कि हमारा मुरैना कितना ज्यादा पीछे है अपने देश से मैं मानता हूं हमारा ग्वालियर भी चंबल संभाग में आता है और बहुत आगे शायद पूर्व सांसद या वर्तमान सांसद जो थे उन्होंने काफी काम किया है हमारे यहां के सांसद तो केवल मीटिंग लेते हैं मीटिंग का कोई हल नहीं करते सिर्फ और सिर्फ मीटिंग लेते हैं और जब तक यह मीटिंग लेते रहेंगे पहले और बढ़ती जाएगी इस पर कोई एक्शन जल्द से जल्द हो मैं आप सभी से निवेदन करता हूं धन्यवाद मेरी इस आर्टिकल को पढ़ने के लिए